

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन चार्टर

[स्रोत: द हद्दि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन \(CSC\)](#) के सदस्यों (भारत, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस) ने कोलंबो में CSC सचिवालय की स्थापना हेतु एक चार्टर एवं समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

- इसमें बांग्लादेश अनुपस्थिति रहा तथा [सेशेल्स](#) ने पर्यवेक्षक राज्य के रूप में भाग लिया।

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन से संबंधित प्रमुख तथ्य क्या हैं?

- **CSC की पृष्ठभूमि:** इसे मूल रूप से [समुद्री सुरक्षा पर NSA ट्राईलेटरल](#) के रूप में जाना जाता था और इसे वर्ष 2011 में भारत, श्रीलंका एवं मालदीव के बीच स्थापित किया गया था।
 - यह [हृदि महासागर क्षेत्र](#) में [समुद्री सुरक्षा](#) बढ़ाने के लिये श्रीलंका की एक पहल थी।
- **सदस्य:** भारत, श्रीलंका और मालदीव इसके संस्थापक सदस्य थे।
 - वर्ष 2022 में मॉरीशस जबकि बांग्लादेश वर्ष 2024 में इस सम्मेलन में शामिल हुआ। [सेशेल्स](#) इसमें एक पर्यवेक्षक राज्य है।
- **CSC के लक्ष्य:** CSC के तहत सहयोग पाँच लक्ष्यों पर केंद्रित है:
 - [समुद्री सुरक्षा](#) एवं संरक्षा।
 - आतंकवाद और कट्टरपंथ का मुकाबला करना।
 - तस्करी और अंतरराष्ट्रीय [संगठित अपराध](#) का मुकाबला करना।
 - [साइबर सुरक्षा](#) तथा रणनीतिक बुनियादी ढाँचे और प्रौद्योगिकी की सुरक्षा।
- **मानवीय सहायता एवं आपदा राहत।**
- **रक्षा अभ्यास:** नवंबर 2021 में भारत, श्रीलंका और मालदीव ने [मालदीव में अभ्यास दोस्ती XV का](#) आयोजन किया।
 - इसके बाद भारत, श्रीलंका और मालदीव ने CSC के तत्वावधान में [अरब सागर](#) में अपना पहला संयुक्त अभ्यास किया।
- **संवाद और बैठकें:** तीनों देशों के बीच प्रथम वार्ता वर्ष 2011 में मालदीव में हुई, इसके बाद श्रीलंका (2013) और भारत (2014) में बैठकें हुईं।
 - भारत-मालदीव के बीच बढ़ते तनाव और हृदि महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण वर्ष 2014 के बाद यह वार्ता स्थिर हो गई।
 - इसे वर्ष 2020 में पुनर्जीवित किया गया और कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव के रूप में पुनः स्थापित किया गया।
- **CSC का महत्त्व:** CSC भारत की हृदि महासागर में पहुँच को मज़बूत करता है, चीन के प्रभाव का सामना करता है, [समुद्री सुरक्षा](#) को बढ़ाता है, यह सागर (SAGAR) दृष्टिकोण के साथ संरेखित है, और [साझा सुरक्षा मंच](#) पर छह हृदि महासागर देशों के बीच उप-क्षेत्रवाद को बढ़ावा देता है।

हृदि महासागर भारत के लिये क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **केंद्र स्थल:** अफ्रीका से आस्ट्रेलिया तक फैला हृदि महासागर भारत को प्रमुख [समुद्री मार्गों पर नियंत्रण रखने की स्थिति में रखता है](#), जसिमें [मलक्का](#) और [होरमुज जलडमरूमध्य](#) जैसे महत्त्वपूर्ण बैरियर पॉइंट भी शामिल हैं, जो वैश्विक व्यापार और राष्ट्रीय हितों के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- **व्यापार मार्ग:** भारत ऐतिहासिक रूप से हृदि महासागर में एक [स्थायी शक्ति](#) के रूप में कार्य करता रहा है, तथा उसके सामरिक जल के 40% भाग पर अधिग्रहण रखता है।
 - मात्रा की दृष्टि से भारत का लगभग 95% तथा मूल्य की दृष्टि से 68% व्यापार हृदि महासागर से होकर गुजरता है।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिये हृदि महासागर पर बहुत अधिक निर्भर है तथा अपनी लगभग 80% कच्चे तेल की आवश्यकता इसी मार्ग से आयात करता है।
- **खनजिों से समृद्ध:** हृदि महासागर [वशिव के अपतटीय तेल उत्पादन का 40% तथा नकिल, कोबाल्ट और ताँबे](#) जैसे खनजिों का भंडार है।
- **मत्स्य उद्योग:** हृदि महासागर में महत्त्वपूर्ण [मत्स्याग्रह क्षेत्र](#) हैं, भारत का मत्स्य उद्योग लगभग 14 मिलियन लोगों को रोज़गार देता है।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/colombo-security-conclave-charter>